डीएवीवी की पहल : कमेटी तैयार कर रही प्रवेश नियम

कोरोना से मृत लोगों के आश्रितों को मुफ्त शिक्षा देगी यूनिवर्सिटी

पत्रिका एक्सक्लूसिव

अगले सत्र में फीस बढ़ोतरी नहीं करने का भी फैसला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. कोरोना से इंदौर में 96 मौतें हो गईं। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने इस मुश्किल दौर में कोरोना से मरने वालों के आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया है। एडमिशन सेल की कमेटी इसके लिए नियम तैयार कर रही है।

कोरोना पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। कोरोना पीड़ितों के इलाज में लाखों रुपया खर्च होने के बाद भी मौतों का सिलसिला नहीं थम रहा। विवि ने सामाजिक सरोकार के तहत कदम बढ़ाते हुए कोविड से मरने वालों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने का फैसला लिया है। इन्हें यूनिवर्सिटी के सभी विभागों में बगैर फीस के पढ़ने का मौका मिलेगा। हालांकि इसके लिए उन्हें प्रवेश परीक्षा पास करना या फिर निर्धारित पात्रता पूरी करना होगी।

कमेटी बनाएगी नियम

यूनिवर्सिटी के सीनियर प्रोफेसरों ने प्रस्ताव तैयार किया, जिस पर कुलपति व सभी विभागाध्यक्षों ने सहमति दी। पहले सिर्फ माता-पिता की मौत पर बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में तय हुआ कि इसका लाभ उन्हें भी दिया जाए, जो शिक्षा के लिए बड़े भाई या बहन पर आश्रित थे और उनकी मौत कोरोना से हो गई। कोविड सेल और अधिकारियों से चर्चा के बाद प्रस्ताव मंजूर किया गया। अब कमेटी को नियम बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

नहीं बढ़ाई जाएगी फीस

यूनिवर्सिटी के विभागों में एडमिशन लेने वाले अन्य छात्र-छात्राओं को भी इस सत्र में राहत मिलेगी। दरअसल, हर साल निश्चित सीमा में फीस बढ़ोतरी की जाती है। ज्यादातर विभागाध्यक्ष इस सत्र में फीस बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। कुलपति ने भी इस पर हामी जता दी है। जल्द ही यूनिवर्सिटी प्रबंधन इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगा।

यह कदम मददगार साबित होगा

कोरोना के कारण पूरा देश कठिन दौर से गुजर रहा है। यूनिवर्सिटी प्रबंधन का यह कदम जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा मुहैया कराने में मददगार साबित होगा।

प्रो. रेणु जैन, कुलपति, डीएवीवी